गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 07 | गोरखपुर रविवार 10 अगस्त 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

गोरखनाथ मंदिर में 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं सीएम योगी ने

गंभीर बीमारियों के इलाज में भरपूर मदद करेगी सरकार: मुख्यमंत्री

अधिकारियों को दिए त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के दिए निर्देश

संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक

करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए।

निजी स्कूलों में फीस के विनियमन से संबंधित विधेयक से पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी: गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी में प्रत्येक बच्चे के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने को लेकर प्रतिबद्ध है और निजी स्कूलों में फीस को विनियमित करने के लिए हाल में पारित विधेयक से संस्थान अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेंगे। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा में पारित किए गए दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 का उद्देश्य मनमानी फीस वृद्धि को रोकना और निजी स्कूलों को वंचित पृष्ठभूमि के बच्चों समेत समाज के सभी वर्गों के बच्चों के लिए सुलभ बनाना है।

'वोट चोरी' के खिलाफ राहुल गांधी का नया अभियान, वेबसाइट लॉन्च कर जनता से मांगा समर्थन

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव में होने वाली कथित गड़बड़ियों के खिलाफ एक नई मुहिम शुरू की है, जिसका नाम 'वोट चोरी' है। इसी सिलसिले में उन्होंने आज एक वेबसाइट लॉन्च की और लोगों से इस कैंपेन से जुड़ने की अपील की। सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि 'वोट चोरी' 'एक व्यक्ति, एक वोट' के लोकतांत्रिक सिद्धांत पर सीधा हमला है। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए एक साफ-सुथरी मतदाता सूची बेहद जरूरी है। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि वह डिजिटल मतदाता सूची को सार्वजनिक करे, ताकि जनता और राजनीतिक दल खुद इसका ऑडिट कर सकें। इस मुहिम का समर्थन करने के लिए राहुल गांधी ने दो तरीके बताए हैं। लोग http://votechori.in/ecdemand वेबसाइट पर जा सकते हैं, या फिर 9650003420 पर मिस्ड कॉल दे सकते हैं।

5 लाख का वादा, 5 हजार की थमाई मदद

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में आई अचानक बाढ के बाद, धराली गांव के लोगों ने सरकार से मिली 5,000 रुपये की तत्काल सहायता राशि को लेने से मना कर दिया है। उनका कहना है कि इस भयंकर आपदा में हुए भारी नुकसान को देखते हुए यह राशि 'नाकाफी' है। धराली और हर्षिल के बाढ प्रभावित परिवारों को यह सहायता 'तत्काल राहत' के तौर पर दी गई थी, लेकिन ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सरकार पर उनके नुकसान को कम आंकने का आरोप लगाया है। उत्तरकाशी के जिला मजिस्ट्रेट प्रशांत आर्य ने बताया कि 5,000 रुपये की यह राशि सिर्फ एक शुरूआती मदद है। उन्होंने आश्वस्त किया कि नुकसान का पूरा आकलन होने और एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार होने के बाद, प्रभावितों को सही मुआवजा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन परिवारों के लिए 5 लाख रुपये के मुआवजे की घोषणा की है जिनके घर पूरी तरह से तबाह हो गए हैं।

सम्पादकीय...

आपदा की वजह

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद स्थित धराली में आई आपदा ने देश-दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत-खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोजिटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4-5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है। दोनों तरफ ऊंचे व तीव्र ढलान वाले पहाड़ हैं। जिस खीरगंगा में फ्लैश फ्लड आया है, वो उन्हीं घने जंगलों से होकर गुजरती है। वैज्ञानिक एक तर्क पर विचार कर रहे हैं कि कहीं घने जंगलों वाले इलाके में भूस्खलन की वजह से पानी का प्रवाह रुक गया होगा, जिसके बाद अस्थाई झील टूटने से आपदा आई होगी। दरअसल, इस जल प्रलय की जद में आने वाला क्षेत्र फ्लड प्लेन इलाके में बसा है। उसके ऊपर के इलाके में बफीर्ले पर्वत बताए जाते हैं। यह हकीकत है कि धराली और उसके आस-पास बेहद संकरी घाटी और ऊंचे पहाड़ हैं। वैज्ञानिकों का तर्क है कि बादल फटने के बाद आने वाला जल प्रवाह इतना तेज नहीं होता। पहले इसकी गति धीमी होती है, कालांतर में गति तेज हो जाती है। इसी वजह से वैज्ञानिक तूफानी गति से पानी-मलबा आने की वजह अस्थायी झील का टूटना बता रहे हैं। भूस्खलन या ग्लेशियर टूटने से झील का पानी सैलाब में बदल गया। इस आशंका को मानने की एक वजह यह भी है कि आपदा वाले दिन जो पानी नीचे आया वह काले रंग का था। साथ मलबा स्लेटी रंग का था। तर्क है कि ऐसा काला पानी व स्लेटी रंग का मलबा पहले से जमा हुए स्थान के टूटने के बाद ही आता है। ऐसी ही स्थिति वर्ष 2021 में चमोली जनपद के ऋषिगंगा हादसे के दौरान एक अस्थायी झील टूटने के बाद जमा मलबे के बहकर आने के वक्त देखी गई थी। दरअसल, वैज्ञानिक पहले भी आशंका जताते रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते बढ़ते तापमान की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। पिघली बर्फ के पानी से बनी झीलें कालांतर भूस्खलन या बादल फटने के बाद टूट जाती हैं और सैलाब तेज ढलान पर उतरकर तबाही लाता है।

राशिफल

मेषः- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। नये लक्ष्य व कायरें में व्यस्त रहेंगे। आर्थिक क्षेत्र में परिश्रम का पूरा लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

बृषभः- रोजगार में लाभकारी स्थिति मन को प्रसन्न रखेगी। सामाजिक कायरे में व्यस्त रहेंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। कुछ नये संबंधों के प्रति मन उत्साहित होगा।

मिथुनः- वाक्यपटुता व व्यवहार कुशलता से संबंधों में प्रभावी होंगे। भौतिक आकांक्षाएं सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु मन केंद्रित होगा। परिवार में खुशहाल स्थिति रहेगी।

कर्कः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुबिधाग्रस्त होगा। भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक बनेगी। अतरू इसे सुधारें। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कायरे को समय से पूर्ण करें।

सिंहः- नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कार्यक्षेत्र में अनवरत व्यस्तता रहेगी। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरे की पूर्ति में विलम्ब कतई न करें।

कन्याः- कोई नयी इच्छा मन पर प्रभावी होगी। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। कार्यक्षेत्र में ब्यस्तता बढ़ेगी। अपने स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

तुलाः- निराशावादी विचार योजनाओं की सार्थकता में बाधक हैं। एक साथ कई सारी चिंताओं से मन ग्रसित होगा। अभिभावको एवं श्रेष्ठजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। घर में प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिकः- नई प्रतिभाएं उजागर होंगी। प्रिय लोगों का सानिध्य प्राप्त होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में उसके परिणाम हेतु चिंतित होगा। रोजगार में स्थिति अनुकूल होगी। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

धनुः- कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। सभी इच्छाओं को सकार करने से पूर्व गहन सोच-विचार करें। आकस्मिक यात्रा की योजना बन सकती है।

मकरः- मयार्दा व पद का ख्याल रखते हुए अपने उच्छृंखल मन पर नियन्तण्ररखें। आकस्मिक कोई सुखद समाचार से मन प्रसन्न होगा। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कुंभः- महत्वपूर्ण कायरें की पूर्ति हेतु मन चिंतित होगा।

शहरी हरियाली को बचाने जागरूक होते नागरिक

लेखा रत्नानी

जयपुर तथा अन्य स्थानों में जमीनी स्तर पर आकार ले रहे आंदोलन हमें बताते हैं कि पर्यावरण के मुद्दे दरअसल आम लोगों के मुद्दे हैं। आम नागरिक खासकर युवा, प्रकृ ति के अधिकारों के लिए, स्वच्छ हवा में सांस लेने और अपने आसपास प्रकृति के साथ रहने के अपने अधिकारों के लिए शहरी परिदृश्यों में भी तेजी से खड़े हो रहे हैं। जयपुर में पिछले लगभग तीन दशकों से फल-फू ल रहा तकरीबन 105 एकड़ का प्राकृतिक रूप से विकसित वन अभ्यारण्य 'डोल का बाध' इस समय एक नई लड़ाई का केंद्र बन गया है जिस पर पूरे देश का ध्यान केंद्रित हो रहा है। इसे बचाने की कोशिश कर रहे एक आंदोलन और एक मॉल, एक फिनटेक पार्क और आवासीय भवनों के निर्माण के लिए ध्वस्त करने पर तुले बुलडोजरों के बीच छिड़े मुकाबले में गुलाबी शहर के अंतिम 'ग्रीन लंग' का भाग्य दांव पर लगा है।इस योजना का विकास कर रहे राजस्थान औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) का तर्क है कि मॉल और टेक पार्क एक बड़ी व्यावसायिक परियोजना का हिस्सा हैं जो आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के लिए आवश्यक है। इस योजना के विरोधियों का कहना है कि ये ढांचे कहीं और भी खड़े किए जा सकते हैं और 2,400 पेड़ों, पक्षियों की 80 से ज्यादा प्रजातियों (जिनमें से कुछ लुप्तप्राय हैं, कई प्रवासी हैं) तथा नीलगाय, साही, नेवला, सांप, मोर आदि जैसे देशी वन्य जीवों वाले इस जंगल को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए।शहर के केंद्र में प्रकृति के इस दुर्लभ रत्न को संरक्षित करने और पर्यावरण विरोधी विकास एजेंडे के देश के अन्य हिस्सों में ऊपर से नीचे की, जमीनी स्तर से उठे अन्य आंदोलनों में इसकी गूंज दिखाई देती है। इस अर्थ में जयपुर के आंदोलन में मुंबई के आरे जंगल को बचाने के लंबे समय से चले आ रहे प्रयासों की प्रतिध्वनि है, जहां मेट्रो रेल कार शेड के लिए जगह बनानी पड़ी है या दक्षिण दिल्ली के जहांपनाह जंगल में साइकिल यात्रा की योजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन अथवा एक जलाशय परियोजना से खतरे में पड़े देहरादून के खलंगा जंगल का मामला है, जिसके लिए साल प्रजाति के लगभग 2,000 वृक्षों को काटना पड़ेगा।शहरी वन कई मूल्यवान पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं प्रदान करते हैं जिनमें कार्बन पृथक्करण, बेहतर वायु और जल गुणवत्ता एवं कम ध्वनि प्रदूषण शामिल हैं। उदाहरण के लिए मुंबई में आरे वन क्षेत्र में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने के पहले जिस किसी भी व्यक्ति ने वहां का दौरा किया है, उसने पूरे वर्ष तापमान में स्पष्ट गिरावट देखी; ठंडी और स्वच्छ हवा ने हजारों लोगों को बेहतर सांस लेने व उसे 'भारत के सबसे व्यस्त शहरों' की भीड़-भाड़ से दूर रहने के लिए इस क्षेत्र की ओर आकर्षित किया।जयपुर से बहुत दूर स्थित कोच्चि शहर भी अनियोजित शहरी विस्तार के कारण घटते वृक्षावरण की वजह से बाढ़ और अत्यधिक गर्मी के खतरों का सामना कर रहा है। उपग्रह आंकड़ों के अनुमान बताते हैं कि कोच्चि की लगभग 31 प्रतिशत आबादी 30 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान में रहती है और शहर की करीब 26 फीसदी आबादी बाढ़ के मैदानों में रहती है। स्थानीय अधिकारी तथा नेता शहर की नई आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना में वनों की व्यापक भूमिका की मांग कर रहे हैं। कोच्चि नगर निगम अब केरल राज्य का महिलाओं द्वारा संचालित गरीबी उन्मूलन मिशन 'कुदुम्बश्री' जैसे स्थानीय समुदाय-आधारित संगठनों और अन्य समूहों के साथ मिलकर वृक्षारोपण एवं वनों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है। शहरी शासन और विकास पर

काम करने वाली संस्था 'नागरिका' ने शहरी वृक्षावरण के क्षरण के मुद्दे की जांच की है व कम कार्बन उत्सर्जन वाले शहरों के लिए शहरी वानिकी के महत्व पर प्रकाश डाला है। शहरी वानिकी की चुनौतियां तथा लाभ एक जटिल प्रणाली है लेकिन इस सर्वमान्य और प्रमाण आधारित दृष्टिकोण से इनकार नहीं किया जा सकता कि वृक्षावरण के क्षरण से शहरी ऊष्मा द्वीप बढ़ सकते हैं जिससे तापमान में वृद्धि होगी और ठंडक पाने के लिए ऊर्जा की खपत बढ़ेगी। बहुत से लोग शहरों को पेड़ों से नहीं जोड़ते और यह नहीं समझते कि शहरी क्षेत्र स्वस्थ वनों पर निर्भर हैं। शहरों के भीतर लगे पेड़ गर्मी को कम करते हैं, मिट्टी व पानी को रिचार्ज करते हैं और मनोरंजन के लिए जगह प्रदान करते हैं। शहरों के आसपास के जलग्रहण क्षेत्रों में लगे पेड़ पीने के पानी को छानते हैं और बाढ़ और भूस्खलन रोकने में मदद करते हैं।जयपुर तथा अन्य स्थानों में जमीनी स्तर पर आकार ले रहे आंदोलन हमें बताते हैं कि पर्यावरण के मुद्दे दरअसल आम लोगों के मुद्दे हैं। आम नागरिक खासकर युवा, प्रकृ ति के अधिकारों के लिए, स्वच्छ हवा में सांस लेने और अपने आसपास प्रकृति के साथ रहने के अपने अधिकारों के लिए शहरी परिदृश्यों में भी तेजी से खड़े हो रहे हैं। वे जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभावों के प्रति भी संवेदनशील हैं एवं इसके विरुद्ध खड़े होकर प्रतिरोध करने को तैयार हैं।

कुछ खास...

पहाड़ों पर विकास या विनाश

प्रेम शर्मा

पहाड़ों पर जिस तरह से बिना सोचे समझे प्राकृति से खिड़वाड़ किया जा रहा है उसका साक्षात प्रमाण धराली है। लगातार विकास के नाम पर जिस तरह से अनदेखी कर

इस देवभूमि को विनाश की तरफ धकेला जा रहा है। वह इस बॉत का संकेत है कि अपनी क्षणिक सुख की प्राप्ति और धनप्राप्ति के लिए हम अपने ही विनाश की तैयारी कर रहे है। देव भूमि में अब दर्शन और साधना की जगह मौजमस्ती का महौल बनता जा रहा है।गत 5 अगस्त 25 को उत्तरकाशी के जिस धराली गांव में बादल फटने और फिर तीव्र वेग के जल-प्रलय की आपदा आई थी। ऐसी आपदाएं 1864, 2013 और 2014 में भी आ चुकी हैं। अब सवाल यह कि आखिर पहाड़ इतने खौफनाक और खतरनाक क्यों होते जा रहे हैं ? क्या पहाड़ में आवास दूभर हो गया है ? लगातार भू-स्खलन और बाढ़ की घटनाएं क्यों बढ़ती जा रही हैं ? क्या हिमालय पर्वत के हिस्से भी दरकने और बड़े-बड़े पत्थरों के रूप में गिरने लगे हैं ? इन घटनाओं और आपदाओं में बारिश और बादल फटने की घटनाएं कुदरत का कहर मानी जा सकती हैं। इसके अलावा घर, दुकान, मंदिर, इमारतें, होटल आदि का जमींदोज होना, नतीजतन मौत के आंकड़े बढ़ते रहने की आपदाएं मानव-निर्मित हैं। यह हमारा नहीं, मौसम और भूगर्भ वैज्ञानिकों का विश्लेषण है। विकास के नाम पर पहाड़ खोदे जा रहे हैं। पहाड़ों को चीरकर सुरंगें बनाई जा रही हैं। रेल की पटरी बिछाई जा रही है। यही नही नदी-नालों के किनारे अथवा उन्हीं के भीतर होटल, रिजॉर्ट की बहुमंजिला इमारतें खड़ी की जा रही हैं। उत्तराखंड में ही जिस 50,000 वर्ग हेक्टेयर जंगल नष्ट कर वहां पक्की इमारतें बना दी गई हैं। उत्तरकाशी के प्रलय में धराली में आई आपदा ने देश-दुनिया को गहरे तक आहत किया है। मलबे और बाढ़ के पानी के सैलाब ने जिस तरह घरों, होटलों व बगीचों तथा खेत-खलिहानों को तबाह किया, उसने आम लोगों को भयभीत किया। पहाड़ की भौगोलिक जटिलताओं व बचाव के संसाधन पहुंचाने में देरी से राहत कार्य बाधित हुआ है। निस्संदेह, हादसे से जुड़ा पहलू यह भी है कि तंत्र की अनदेखी व खीरगंगा के विस्तार क्षेत्र की आशंकाओं को नजरअंदाज करके जो निर्माण किया गया, वह सैलाब की जद में आया। ऐसे में फिर सवाल यह है कि वे कौन से कारण थे कि बेहद तीव्र वेग से आये सैलाब ने लोगों को भागने तक का मौका नहीं दिया। हालांकि, मरने वालों की वास्तविक संख्या सामने नहीं आयी है, लेकिन सैलाब की भयावहता को देखकर अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि जनधन की बड़ी हानि हुई होगी। अब असली सवाल यह है कि ये आपदा कैसे आयी। आजकल ऐसे हादसों की साधारण व्याख्या होती है कि हादसा बादल फटने से हुआ। लेकिन धराली में आपदा की वजह बादल फटना मानने को वैज्ञानिक तैयार नहीं हैं। वैज्ञानिक इस वजह से बादल फटने के तर्क को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं क्योंकि मौसम विभाग के अनुसार 4-5 अगस्त को उस क्षेत्र में महज आठ से दस मिमी बारिश ही हुई थी। वैज्ञानिक मानक के अनुसार बादल फटने की घटना तब होती है जब उस इलाके में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई हो। दरअसल, धराली गांव के पीछे डेढ़-दो किलोमीटर लंबा और बेहद घना जंगल है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद वनडे से भी संन्यास लेंगे रोहित और विराट?

एजेंसी

नई दिल्ली। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया

दौरे के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट और टी20 के बाद वनडे से भी संन्यास ले सकते हैं। अक्तूबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पहले ही टेस्ट और टी20 क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर चुके हैं। इस बीच खबर आ रही है कि दोनों अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर करियर की आखिरी वनडे सीरीज खेल सकते हैं यानी अब दोनों वनडे क्रिकेट को भी अलविदा कह सकते हैं। इस विषय पर अब पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का बयान आया है। उन्होंने कहा कि, दोनों अगर अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उन्हें इस प्रारूप में खेलना जारी रखना चाहिए।दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट और टी20 के बाद वनडे से भी संन्यास ले सकते हैं। अक्तूबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज और पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारतीय टीम प्रबंधन 2027 विश्व कप की रणनीति में रोहित और विराट पर विचार नहीं कर रहा है। दोनों को वनडे टीम में बने रहने के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना पड़ सकता है।सौरव गांगुली ने रोहित और विराट के वनडे से संन्यास पर कहा, 'मुझे इसकी जानकारी नहीं है, मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता।' उन्होंने एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड इवेंट के दौरान कहा, 'यह कहना मुश्किल है। जो भी अच्छा करेगा, वह खेलेगा। अगर वे अच्छा करते हैं, तो उन्हें खेलना जारी रखना चाहिए। कोहली का वनडे रिकॉर्ड शानदार है, यहां तक कि रोहित शर्मा का भी। दोनों ही सीमित ओवरों के क्रिकेट में अद्भुत हैं।' भारत का ऑस्ट्रेलिया का वनडे दौरा 19 अक्तूबर से शुरू होगा, जिसके मैच पर्थ, एडिलेड और सिडनी में खेले जाएंगे। इसके बाद दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन घरेलू वनडे मैच खेले जाएंगे। 2026 कैलेंडर में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज खेली जानी है।दुबई में नौ सितंबर से शुरू होने वाले आगामी टी20 एशिया कप के बारे में पूछे जाने पर गांगुली ने भारतीय टीम को जीत का दावेदार बताया। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में पांच कड़े टेस्ट मैचों के बाद मिला आराम टीम के लिए बहुत जरूरी था। गांगुली ने कहा, 'खिलाड़ियों को विश्राम करने का जरूरी समय मिल गया है।

उन्होंने आईपीएल के बाद पांच टेस्ट खेले और अब वे नौ सितंबर से एशिया कप खेलेंगे। भारत बहुत मजबूत है। टीम अगर टेस्ट क्रिकेट में मजबूत हैं, तो वनडे और और भी ज्यादा मजबूत है। मैं समझता हूं कि भारत जीत का दावेदार होगा और दुबई की पिचों पर उन्हें हराना बहुत मुश्किल होगा।'शुभमन गिल के टेस्ट कप्तान के रूप में भविष्य के बारे में पूछे जाने पर, गांगुली ने युवा कप्तान की बहुत सराहना की और कहा, 'वह भारत के टेस्ट कप्तान हैं, और उनका भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

भारतीय उड़ानों के लिए हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से पाकिस्तान को झटका, 1240 करोड़ का नुकसान

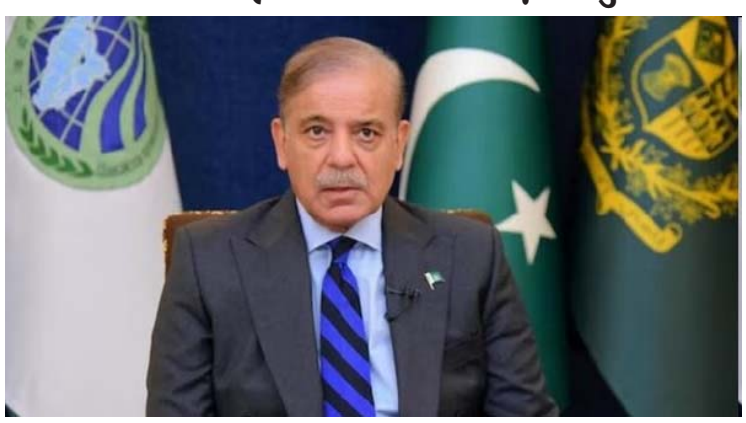

एजेंसी

नई दिल्ली। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। इसके जवाब में पाकिस्तान ने सभी भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिया था।

मगर यह प्रतिबंध पाकिस्तान पर ही उल्टा पड़ गया।आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान को भारत को आंखें दिखाना महंगा पड़ रहा है। कर्ज के बोझ तले दबा पाकिस्तान एक गलती की वजह से अपना बड़ा नुकसान करा चुका है। भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाकर पाकिस्तान को दो महीने में 1240 करोड़ रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से यातायात में 20 प्रतिशत कमी आई। 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। इसके जवाब में पाकिस्तान ने सभी भारतीय विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगा दिया था।

मगर यह प्रतिबंध पाकिस्तान पर ही उल्टा पड़ गया। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक 24 अप्रैल से 30 जून के बीच हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध से पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण (पीएए) का हवाई उड़ान शुल्क राजस्व गिर गया। वहीं रोज लगभग 100-150 भारतीय विमान प्रभावित हुए। जबकि पाकिस्तान के पारगमन हवाई यातायात में लगभग 20 प्रतिशत की कमी आई।पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय ने नुकसान की बात स्वीकार की, लेकिन यह कहकर उसे उचित ठहराने की कोशिश की कि संप्रभुता और राष्ट्रीय रक्षा आर्थिक पहलुओं से ऊपर हैं।

मुझे 1 साल तक कैद कर दिया, मेरा मोबाइल ले लिया...

फैसल ने भाई आमिर खान पर लगाया आरोप, किए शॉकिंग ऐसे दावे

सुपरस्टार आमिर खान बॉलीवुड इंडस्ट्री के दमदार हीरोज में से एक हैं, जिनकी देश दुनिया में काफी अच्छी इमेज बनी हुई है। इसी बीच एक्टर के भाई और एक्टर फैसल खान ने मिस्टर परफेक्शनिस्ट को लेकर चैंकाने वाले खुलासे किए हैं। फैसल ने दावा किया कि कुछ साल पहले आमिर ने उन्हें मुंबई स्थित अपने घर में एक साल से ज्यादा समय तक बंद रखा था। उनके परिवार का कहना था कि उन्हें सिजोफ्रेनिया है, वह श्एक पागल इंसान हैं और समाज को नुकसान पहुंचा सकते हैं। तो आइए जानते हैं फैसल ने अपने इंटरव्यू में और क्या कहा.. फैसल ने कहा कि, उस वक्त मुझे लगा कि वह फंस गए हैं, क्योंकि सब कह रहे थे कि मुझे सिजोफ्रेनिया हो गया है और मैं एक पागल इंसान हूं। मैं समाज को नुकसान पहुंचा सकता हूं। ये सब बातें हो रही थीं। मैं खुद को देख रहा था कि यार मैं इस चक्रव्यूह से कैसे निकला, सच में यह चक्रव्यूह हो गया था मेरे लिए। मैं फंस गया था क्योंकि सारी फैमिली मेरे खिलाफ जा रही थी। फैसल का कहना है कि उनका फोन छीन लिया गया था और उन्हें बाहर निकलने की इजाजत नहीं थी। फैसल खान ने उस वक्त को याद करते हुए कहा कि वह मदद के लिए दुआ करते थे और उम्मीद करते थे कि उनके पिता उनकी मदद के लिए आगे आएंगे। मैं समझ नहीं पा रहा था कि बाहर कैसे निकलूं, आमिर ने मुझे कैद कर दिया था घर में एक साल। मोबाइल ले लिया, मैं बाहर नहीं जा सकता था। बॉडीगार्ड मेरे कमरे के बाहर थे और दवाइयां दी जाती थी मुझे। फैसल ने बताया कि एक साल बाद, जब उन्होंने जिद की, तो आमिर ने उन्हें दूसरे घर में रहने दिया। इससे पहले, फैसल ने बताया था कि जेजे अस्पताल में 20 दिनों तक उनका मेंटली टेस्ट किया गया था, जिसमें वे हेल्दी पाए गए। बता दें, आमिर खान और फैसल ने फिल्म मेला में साथ काम किया था। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना अहम रोल में नजर आई थीं। फैसल के करियर की बात करें तो उन्होंने 1988 में श्कयामत से कयामत तकश् में विलेन की भूमिका निभाकर अपने फिल्मी करियर की शुरूआत की। जिसके बाद उन्होंने मदहोश और चिनार दास्तान-ए-इश्क जैसी फिल्मों में नजर आए। इसके अलावा फैसल ने भाई आमिर खान के साथ फिल्म मेला में काम किया था। इसमें उनके साथ एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना अहम रोल में नजर आई थीं।

वाणी कपूर और फवाद खान की अबीर गुलाल पर अपडेट, नाम बदलकर फिल्म रिलीज की प्लानिंग में मेकर्स?

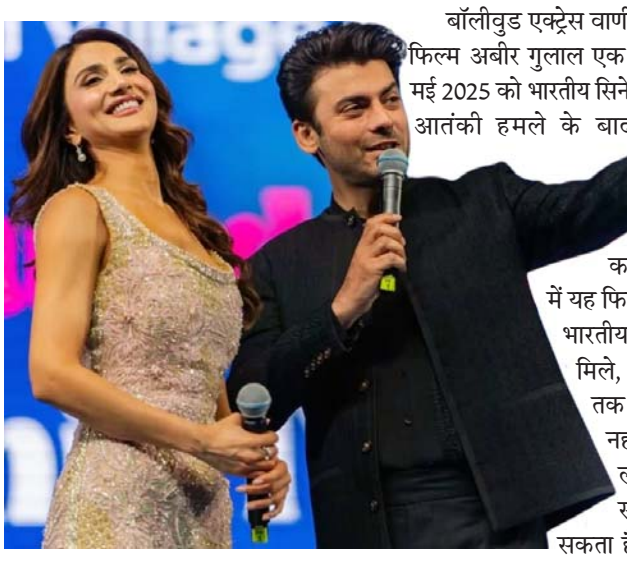

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर और पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म अबीर गुलाल एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई है। यह फिल्म पहले 9 मई 2025 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद देशभर में उपजे आक्रोश को देखते हुए फिल्म की रिलीज पर तत्काल रोक लगा दी गई थी। वहीं, अब लेटेस्ट रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म की टीम भारत को छोड़कर इसे वैश्विक स्तर पर रिलीज करने की योजना बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विश्वभर में यह फिल्म 29 अगस्त 2025 को रिलीज की जा सकती है। हालांकि, भारतीय दर्शकों को इसे सिनेमाघरों में देखने का मौका शायद ना मिले, क्योंकि भारत में यह फिल्म बैन ही रहेगी। हालांकि, अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन अंदरूनी सूत्रों के मुताबिक तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। एक और दिलचस्प जानकारी सामने आई है- फिल्म के टाइटल में स्पेलिंग चेंज किया जा सकता है। मौजूदा टाइटल अबीर गुलाल है, लेकिन इसे बदलकर ।इममत ळनसंस किया जा सकता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह बदलाव न्यूमेरोलॉजी, सेन्सर शर्तों, या इमेज रीब्रांडिंग की वजह से किया जा रहा है। हालांकि, टाइटल में बदलाव फिल्म की मार्केटिंग रणनीति का हिस्सा हो सकता है। फवाद खान पहले भी कई बार अपने बयानों को लेकर विवादों में रहे हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने जिस तरह भारत विरोधी टिप्पणियां कीं, उसने दर्शकों की नाराजगी और बढ़ा दी।

केबीसी के सीजन 16 में कंटेस्टेंट्स ने जीते कितने करोड़? इस सीजन से पहले हुआ खुलासा

कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 ने अपने दमदार कैंपेन जहां अकल है, वहां अकड़ है के साथ जबरदस्त चर्चा बटोरी है, एक ऐसा विचार जिसने पूरे देश की सोच को छू लिया

है। नया सीजन आम आदमी की अकल (ज्ञान) और उसे लेकर उनकी अकड़ (गर्व) का जश्न है और केबीसी में, यह गर्व अक्सर बड़ी जीत में बदल जाता है। पिछले 16 सीजन में, प्रतिभागियों ने मिलकर लगभग 239 करोड़ की इनामी राशि जीती है। सीजन 17 के प्रोमो, जिसमें होस्ट अमिताभ बच्चन नजर आ रहे हैं, ने दर्शकों के दिलों में तुरंत जगह बना ली है, जहां झलक मिलती है शानदार जवाबों की, रोमांचक खेल की और शायद रिकॉर्ड तोड़ जीत की, ये सब मिलकर इसे अब तक के सबसे शानदार केबीसी सीजन में से एक बनाते हैं। लगभग 1368 एपिसोड और 16 यादगार सीजन की इस मशहूर यात्रा में, अब तक करीब 2143 प्रतिभागियों ने हॉटसीट पर बैठने का मौका पाया है। इस नए सीजन में देखें ज्ञान, गर्व और जिंदगी बदल देने वाली जीतों की असाधारण कहानियां। कौन बनेगा करोड़पति सीजन 17 का प्रीमियर 11 अगस्त से, सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे, सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर होगा।

फिल्म बर्फी के 13 साल पूरे होने पर प्रियंका चोपड़ा ने शेयर की भावुक यादें, पिता के साथ आखिरी लम्हों को किया याद

प्रियंका चोपड़ा स्टारर फिल्म श्बर्फीश को रिलीज हुए 13 साल पूरे हो चुके हैं, जिसमें एक्ट्रेस ने झिलमिल नाम की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया था, जो ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से ग्रसित होती है। प्रियंका का यह अभिनय न केवल

चुनौतीपूर्ण था, बल्कि बेहद सराहनीय भी रहा। अब फिल्म के 13 साल पूरे होने के अवसर पर प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई इमोशनल पोस्ट्स शेयर कीं। उन्होंने फिल्म की शूटिंग के अनुभवों और किरदार में ढलने की प्रक्रिया को याद किया। एक खास इंस्टा स्टोरी में उन्होंने अपने माता-पिता के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा,यह आखिरी बार था जब पापा किसी फिल्म के सेट पर आए थे। इस पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने दिवंगत पिता डॉ. अशोक चोपड़ा को याद किया, जो प्रियंका के करियर में हमेशा एक मजबूत स्तंभ रहे हैं। प्रियंका ने एक और इंस्टा स्टोरी में उस पल की तस्वीर शेयर की जब उन्हें बर्फी के लिए एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से नवाजा गया था। उस अवॉर्ड को लेने के लिए उनके पिता खुद स्टेज पर उनके साथ गए थे। प्रियंका ने उस तस्वीर के साथ लिखा मेरी जीत, उनकी जीत थी। यह आखिरी बार था जब वह किसी सार्वजनिक मंच पर दिखाई दिए थे। इसके तीन महीने बाद वह दुनिया से विदा हो गए। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और फैंस भी उनके इस इमोशनल ट्रिब्यूट की जमकर तारीफ कर रहे हैं। प्रियंका ने अपने पोस्ट में फिल्म के निर्देशक अनुराग बसु की भी दिल से सराहना की और कहा कि उन्होंने एक ऐसी फिल्म बनाई जो वर्षों बाद भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। उनके विजन और निर्देशन की तारीफ करते हुए प्रियंका ने कहा कि श्बर्फीश उनके करियर का एक बेहद खास हिस्सा है। बता दें, साल 2012 में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु ने किया था, जिसमें रणबीर कपूर, प्रियंका चोपड़ा और इलियाना डी क्रूज ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं। 35 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 188 करोड़ का कारोबार किया था। इन आंकड़ों से साफ है कि बर्फी ने न केवल दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी सफलता की मजबूत छाप छोड़ी।

सीपीआर का सही तरीका और ये जरूरी बातें जान ली तो हार्ट अटैक में बचा सकते हैं लोगों की जान

हार्ट अटैक की स्थिति में सीपीआर देकर रोगी की जान बचाई जा सकती है। सीपीआर का सही तरीका समझाने के लिए एम्स भोपाल में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

हाल के वर्षों में हार्ट अटैक और इससे मौत के मामलों में काफी तेजी से उछाल देखा गया है। अब कम उम्र में, यहां तक कि 20 की उम्र वाले लोग भी न केवल हार्ट अटैक का शिकार हो रहे हैं बल्कि इससे मौत की भी खबरें अक्सर चर्चा में रहती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, दुनियाभर में हर साल करीब 1.8 करोड़ लोगों की मौत दिल से जुड़ी बीमारियों के कारण हो जाती है, जिसमें हार्ट अटैक एक बड़ी वजह है। भारत में भी इसका खतरा तेजी से बढ़ा है। गंभीर बात यह है कि कई मामलों में मरीज अस्पताल तक पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हार्ट अटैक की स्थिति हर बार जानलेवा नहीं होती, इससे लोगों की जान बचाई जा सकती है अगर उन्हें समय रहते सीपीआर दे दिया जाए। ये एक जीवनरक्षक तकनीक है जिसके बारे में सभी लोगों को जानना आवश्यक है, ताकि जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल करके लोगों की जान बचाई जा सके।इसी बारे में लोगों को जागरूक करने और सीपीआर का सही तरीका समझाने के लिए एम्स भोपाल में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।

सीपीआर के बारे में सही जानकारी जरूरी

डॉक्टर्स ने कहा, जीवन रक्षक तकनीकों की जानकारी हर नागरिक तक पहुंचाना हमारा कर्तव्य है। ये एक छोटा प्रयास लेकिन बड़ी पहल है जिसकी मदद से हम लोगों की हार्ट अटैक की स्थिति में जान बचाने में मदद कर सकते हैं। मॉक ड्रिल के दौरान डॉ संजय मंडलोई ने कई जरूरी बातें साझा की हैं, जिसका सीपीआर देते समय ध्यान रखना बेहद जरूरी है।डॉक्टर कहते हैं, हार्ट अटैक की स्थिति में सबसे पहले रोगी के नाक के पास अपने कान लगाकर चेक करें कि वह सांस ले पा रहा है या नहीं? अगर सांस लेने में कोई दिक्कत हो रही है तो तुरंत सीपीआर दें।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

डॉ संजय कहते हैं, अक्सर लोगों को लगता है दिल तो बाईं तरफ होता है तो सीपीआर भी बाईं तरफ देना है, हालांकि ऐसा नहीं है आपको छाती के बीचों-बीच दबाव डालना है। सीपीआर देते समय अपने हाथों को एकदम सीधा रखें जिससे छाती पर दबाव अच्छे से बने। सीपीआर देते समय 30 तक गिनें और लगातार सीपीआर की मदद से छाती को दबाते रहें।30 बार छाती पर दवाब बनाने के बाद एक बार रोगी को मुंह से सांस दें और फिर से उसकी सांस चेक करें। अगर मरीज को अब भी सांस नहीं आ रही है तो फिर से 30 बार सीपीआर और एक बार मुंह से सांस दें।

हार्ट अटैक के दौरान 'गोल्डन टाइम'

डॉक्टर बताते हैं, हार्ट अटैक की स्थिति में 'गोल्डन टाइम' बहुत महत्वपूर्ण है। ये दिल का दौरा पड़ने के बाद के पहले 30 मिनट होते हैं, जिसमें तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। हार्ट अटैक-कार्डियक अरेस्ट की स्थिति में लक्षणों की समय पर पहचान कर तुरंत सीपीआर देने से जान बचने की संभावना 60-70 फीसदी तक बढ़ जाती है।

सीपीआर होता क्या है? इसका तरीका क्या है?

कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) एक जीवनरक्षक तकनीक है जो हार्ट अटैक जैसी आपात स्थितियों में जीवनरक्षक साबित हो सकती है। सांस या दिल की धड़कन रुक जाने की स्थिति में रोगी को तुरंत सीपीआर देने की सलाह दी जाती है। छाती को सही गति से दबाने की यह प्रक्रिया रक्त के संचार को ठीक रखने में मददगार हो सकती है। इससे दिल को फिर से रक्त का संचार मिलने लगता है और जान बच सकती है।

इसके लिए सबसे पहले रोगी के कपड़े और बेल्ट ढीला कर दें और सीपीआर देते समय एक मिनट में कम से कम 100-120 बार पंप करें।

हमेशा सीधे हाथ से सीपीआर दें, कोहनी मुड़नी नहीं चाहिए। त्वरित उपचार के रूप में रोगी को एक डिस्प्रिन की गोली लें और मुंह में रखें, ये गोली खुद ही घुल जाती है।

इसके साथ मरीज के सांस और नाड़ी को चेक करते रहे और बार-बार सीपीआर देते रहें, जब तक कि धड़कन चलने न लगे। उसे तुरंत किसी नजदीकी अस्पताल में न पहुंचा दिया जाए।

पपीता तो खाते हैं पर इसके फायदों से अक्सर लोग रह जाते हैं अनजान, क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आहार विशेषज्ञ पपीता को डेली हेल्थ बूस्टर कहते हैं, क्योंकि यह शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने से लेकर त्वचा को निखारने तक कई तरह के फायदे देता है।

अच्छी सेहत पाने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप अपने खान-पान को ठीक कर लें। हरी सब्जियां और रोज कम से कम एक मौसमी फल का अगर आप सेवन करना शुरू कर देते हैं तो ये दो उपाय ही कई बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं। अध्ययनों में जिन फलों को सेहत के लिए सबसे फायदेमंद पाया गया है पपीता उनमें से एक है। पपीता न केवल स्वाद में मीठा और मुलायम होता है, बल्कि सेहत के लिए भी किसी खजाने से कम नहीं है। यह साल भर आसानी से उपलब्ध रहता है। इसमें में विटामिन ए, सी, फोलेट, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अलावा पपीता में मौजूद पपेन नामक एंजाइम पाचन को ठीक रखने में मदद करता है वहीं इसके एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाते हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को पपीता जरूर खाना चाहिए। इसका सेवन अगर आप खाली पेट करते हैं तो अधिकतम लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं।

खाली पेट पपीते का सेवन अधिक लाभकारी

आहार विशेषज्ञ पपीते को डेली हेल्थ बूस्टर कहते है, क्योंकि यह शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने से लेकर त्वचा को निखारने तक कई तरह के फायदे देता है। शोध बताते हैं कि पपीते में मौजूद कैरोटेनॉयड्स, विशेषकर बीटा-कैरोटीन और लाइकोपीन, दिल और आंखों के लिए लाभकारी होते हैं। इसका नियमित सेवन शरीर में सूजन कम करता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है।सुबह खाली पेट इसका सेवन किया जाए तो इसके स्वास्थ्य लाभ और भी अधिक प्रभावी हो सकते हैं। खाली पेट पपीता खाने से शरीर की डिटॉक्स प्रक्रिया तेज होती है, जिससे लिवर और पेट से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं।पपीता विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स और बीटा- कैरोटीन से भरपूर होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद करता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

आयुवेर्दाचार्य अच्युत त्रिपाठी बताते हैं, पपीता का सेवन करने से पाचन क्रिया सुधरती है। इसके साथ ही यह एक नेचुरल क्लींजर की तरह काम करता है। सुबह एक कटोरी पके हुए पपीते का सेवन बेहद लाभदायक होता है। पपीता न केवल आपकी पाचन शक्ति को बेहतर बनाता है, बल्कि संतुलित दिनचर्या के लिए जरूरी ऊर्जा भी प्रदान करता है।हालांकि, कुछ लोगों को इससे थोड़ी एसिडिटी या पेट में जलन की शिकायत हो सकती है, खासकर यदि उनका पेट संवेदनशील हो। इसलिए सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए।

आंखों के लिए बहुत लाभकारी है ये फल : पपीता खाना आपको आंखों को स्वस्थ रखने, रोशनी बढ़ाने में बहुत फायदेमंद है। इसमें बीटा-कैरोटीन, लाइकोपीन, जीएक्सैंथिन और ल्यूटीन जैसे शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। ये यौगिक आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं।स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जो लोग पपीता का सेवन करते हैं उनमें उम्र बढ़ने के साथ होने वाली आंखों की समस्याओं का खतरा कम होता है। ये फल मैकुलर डिजनरेशन से बचाए रखने में मदद करता है। पपीते में मौजूद फाइबर, पोटैशियम, और एंटीऑक्सीडेंट्स रक्त चाप को नियंत्रित रखते और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं, जिससे हृदय रोगों का जोखिम घटता है।

सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल ने दिया संदेश आत्म अध्ययन ही है अध्यात्म

लखनऊ (संवाददाता)। ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुआई में शनिवार को श्रावणी पूर्णिमा के दिन हनुमान सेतु स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर में 101 किलो लड्डुओं का भोग लगाया गया। इस अवसर पर सपना गोयल ने संदेश दिया कि आत्म अध्ययन ही है अध्यात्म। उन्होंने बताया कि हम वा जगत का अध्ययन कर शारीरिक और सामाजिक उन्नति तो हासिल कर सकते हैं पर आध्यात्मिक उन्नति के लिए हमें आत्ममुखी होना होगा। परमात्मा से जुड़ने का मार्ग, आत्मज्ञान से ही संभव है। सुंदरकांड का नियमित पाठ इस दिशा में व्यक्ति के सुप्त बल को जागृत करता है और उसका सम्पूर्ण जीवन ही आनंदमयी और सुंदर बना देता है। सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल ने कहा कि यह वक्त की पुकार है कि सभी सनातनी मातृशक्तियां, अपने-अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति के परिवेश में ढालें। इसके साथ ही उनके जीवन को खुशियों से भरने के लिए सनातन धर्म क्या है? इसके बारे में उन्हें पूर्ण जानकारी दें। जैसे स्वयं देवी मां अंजना ने अपने पुत्र हनुमान महाराज को संस्कारवान बनाया था। उनके अनुसार जीवन में जननी और जन्मभूमि दोनों ही बहुत महत्वपूर्ण है। सनातनी परंपरा का अनुसरण करके हम इन दोनों को नमन कर अपना और समाज का उत्थान कर सकते हैं। इसी में, राष्ट्र उन्नति निहित है। सुंदरकांड के नियमित पाठ से केवल सनातनियों का ही नहीं बल्कि हर समाज के अनुयायियों का कल्याण सम्भव है। सुंदरकांड

के पाठ में सुंदर विश्व की कामना का भाव निहित है। उनके अनुसार सुंदरकांड महा अभियान, भारत वर्ष की बने पहचान महज एक साल की अल्पावधि में दिलों से लेकर जिलों तक को जोड़ने में सफल रहा है। उनके इस महा अभियान का लक्ष्य है कि संतों और देवों की पावन भूमि भारत पुनः विश्व गुरु बने। अयोध्या जी जन्मभूमि परिसर में मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक मासिक सुंदरकाण्ड पाठ का सिलसिला 11 सितम्बर 2024 से शुरू हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से लखनऊ की ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवासमिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल को इसका दायित्व सौंपा गया है। सपना गोयल द्वारा बिना किसी सरकारी या निजी सहयोग के, बीते 10 मार्च 2024 को महिला दिवस के उपलक्ष्य में पांच हजार से अधिक मातृशक्तियों द्वारा लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान सम्पन्न करवाया गया था।

सामूहिक सुंदरकांड का अभियान राष्ट्रीय स्तर पर वृहद रूप में निरंतर संचालित किया जा रहा है। इस क्रम में स्थानीय अनगिनत मंदिरों के साथ ही नैमिषारण्य तीर्थ, उत्तराखंड कोटद्वार के प्रतिष्ठित प्राचीन मंदिर-सिद्धबली परिसर, काशी के बाबा विश्वनाथ मंदिर परिसर, मथुरा स्थित भगवान कृष्ण जन्मस्थली मंदिर परिसर और प्रयागराज के लेटे हुए हनुमान मंदिर परिसर में भी सामूहिक सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान, सफलतापूर्वक आयोजित करवाया जा चुका है। यह अभियान देश ही नहीं विदेशों तक में संचालित किया जा रहा है।

बिजली बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं पर होगी कार्रवाई, एक्शन में यूपी पावर कारपोरेशन

लखनऊ (संवाददाता)। विद्युत बिल जमा करने के बावजूद विद्युत आपूर्ति न होने की मिल रही शिकायतों के मद्देनजर

उप्र पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने सभी अधिकारियों को निर्देश जारी कर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा है, साथ बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्यवाही के निर्देश भी दिए हैं। अध्यक्ष की तरफ से सभी वितरण निगमों को जारी निर्देश में कहा गया है कि कतिपय प्रकरणों में देखा जा रहा है कि किसी ग्राम में कुछ उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत बिल जमा न किये जाने पर पूरे ग्राम की विद्युत आपूर्ति बाधित कर दी जाती है। जिस कारण ऐसे विद्युत उपभोक्ताओं को भी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, जो अपना विद्युत बिल नियमित रूप से जमा करते है। अतः ऐसी स्थिति में विद्युत बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं पर ही कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा है कि यदि अतिभारिता के कारण एक ही स्थान पर वितरण ट्रान्सफार्मर बार-बार क्षतिग्रस्त हो रहा है, तो इसका तकनीकी,वाणिज्यिक परीक्षण कराकर क्षमतावृद्धि की कार्यवाही की जाये। उपभोक्ताओं की समस्याओं का संज्ञान लेते हुए गोयल ने कहा कि उपभोक्ताओं को सही विद्युत बिल निर्गत किये जाये तथा बिल संशोधन प्राथमिकता पर किये जाये। विगत दिनों में आयोजित किये गये उपभोक्ता मेगा शिविरों में प्राप्त शिकायतों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। यथा सम्भव प्लान्ड शट्-डाउन के कार्य सामान्य रोस्टरिंग की अवधि में करा लिये जाये।

सीएम योगी ने विधानभवन के प्रवेश द्वार के नवीनीकृत गुंबद का किया लोकार्पण, सर्वदलीय बैठक में लिया हिस्सा

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल

के मानसून सत्र से पहले रविवार को विधान भवन के प्रवेश द्वार पर नए गुंबद और सभा मंडप का लोकार्पण किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने नवीनीकृत सभा कक्ष संख्या-15 और अतिविशिष्ट जलपान गृह का भी उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने मानसून सत्र को लेकर सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया। सोमवार से विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरूआत होगी। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने रविवार को मानूसन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें मुख्यमंत्री के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई प्रमुख नेता उपस्थित थे।

मायावती ने रक्षाबंधन पर बसपा के इकलौते एमएलए को बांधी राखी

लखनऊ (संवाददाता)। रक्षाबंधन के पर्व पर बसपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती

ने पार्टी के एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह को राखी बांधकर अनोखे अंदाज में भाई-बहन के रिश्ते की मिसाल पेश की। खास बात यह रही कि उमाशंकर सिंह ने इस मौके पर मास्क पहन रखा था, जिसकी तस्वीरें उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर साझा कीं। बलिया की रसड़ा सीट से विधायक उमाशंकर सिंह ने इस अवसर को बेहद भावुक और सौभाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आदरणीय बहन मायावती जी ने मुझे राखी बांधकर अपना आशीर्वाद दिया। यह मेरे लिए ईश्वरीय कृपा के समान है। उमाशंकर सिंह, जो बसपा के इकलौते विधायक हैं, मायावती के करीबी माने जाते हैं। कुछ समय पहले जब उनकी तबीयत बिगड़ी थी, तब खुद मायावती ने उनके लखनऊ आवास पर जाकर उनका हालचाल लिया था। बसपा को 2022 के विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट पर जीत मिली थी, जो उमाशंकर सिंह की रसड़ा सीट थी। वह हाथी के प्रतीक के साथ चुनाव जीतने वाले इकलौते बसपा नेता हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि उमाशंकर सिंह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अच्छे संबंध माने जाते हैं। इस राखी कार्यक्रम के जरिए मायावती ने न सिर्फ उमाशंकर सिंह को सम्मानित किया, बल्कि बसपा कार्यकताओं और समर्थकों को भी एक भावनात्मक संदेश दिया कि संगठन में अपनापन और व्यक्तिगत जुड़ाव आज भी जिंदा है।

संक्षिप्त सामाचार

प्रयागराज के एसटीएफ यूनिट पुलिस टीम पर एके-47 से हुआ हमला

कई मामलों में वांछित एवं 4 लाख रूप का था इनामियां

प्रयागराज। एसटीएफ यूनिट प्रयागराज के तीन कर्मचारी व अधिकारी जेपी राय,प्रभंजन व रोहित सिंह बाल बाल बचे। आत्मरक्षार्थ मे की गई फायरिंग, अपराधी के घायल होने के उपरांत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शंकरगढ़ मै कराया भर्ती जहां पर डॉक्टर ने अपराधी को बताया मृत एसटीएफ वा अपराधी के बीच मुठभेड़ में मौके से एक-47 राइफल वह 9 एमएम पिस्टल वह भारी मात्रा में जिंदा खोखा (कारतूस) तथा एक अदद मोटरसाइकि बरामद।

लखनऊ विकास प्राधिकरण की छवि धूमिल करने की साजिश में लगे हैं कुछ तथाकथित चैनल पत्रकार

राजकिशोर बारी, संवाददाता

लखनऊ। विकास प्राधिकरण (एलडीए) की छवि को लेकर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। क्या कुछ तथाकथित चैनल पत्रकार एक सोची-समझी रणनीति के तहत प्राधिकरण को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं? यह सवाल इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि बीते दिनों एक चैनल द्वारा एक निजी निर्माण कार्य को "बिल्डर गतिविधि" बताकर एलडीए के अधिकारियों पर सीधे तौर पर रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया। आश्चर्य की बात यह है कि रिपोर्ट में दावा तो किया गया कि अधिकारी माल ले रहे हैं, लेकिन इस बात का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण, वीडियो फुटेज या लेन-देन से जुड़ा साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया। सवाल यह भी उठता है कि यदि इतनी बड़ी खबर थी तो इसे सार्वजनिक चैनलों, सोशल मीडिया या ओपन ग्रुप पर क्यों नहीं चलाया गया?

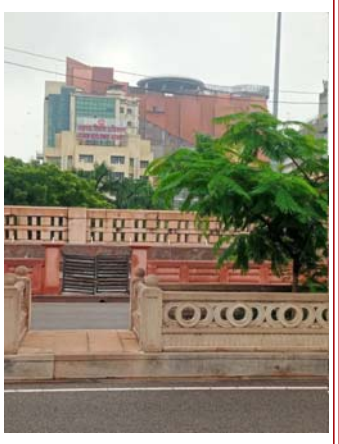

प्रश्नों के घेरे में पत्रकारिता की नीयत: एक निजी व्यक्ति द्वारा 800 स्क्वायर

फीट में अपना घर बनवाना क्या बिल्डर की श्रेणी में आता है? क्या बिना सबूत सिर्फ आरोप लगाकर प्राधिकरण पर दबाव बनाकर स्वार्थ सिद्धि की कोशिश हो रही है? आखिर क्यों अधिकारियों की तस्वीरें लगाकर बिना प्रमाण गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं? यह प्रकरण केवल लखनऊ विकास प्राधिकरण नहीं, बल्कि पत्रकारिता की विश्वसनीयता और जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करता है। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन को चाहिए कि ऐसे मामलों में तथ्यों की पड़ताल कर कठोर कार्रवाई करे ताकि मीडिया की साख बनी रहे और ईमानदार अधिकारियों की छवि सुरक्षित रहे।

योगी ने दी संस्कृत सप्ताह की दी शुभकामनाएं कहा, हर जगह करें संस्कृत का प्रचार-प्रसार

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के निवासियों को संस्कृत सप्ताह की बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति और ज्ञान की नींव है। भारतीय परंपराओं को जीवित रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन बेहद जरूरी है। उन्होंने आान किया कि इस सप्ताह हम सभी संस्कृत के महत्व को समझें और इसके साहित्य व ज्ञान प्रवाह का आनंद लें। स्कूलों, घरों और हर संभव स्थान पर संस्कृत को बढ़ावा दें। राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने आगे कहा कि यह सप्ताह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि संस्कृत के पुनर्जनन का अवसर है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को संस्कृत सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, जय संस्कृत, जय भारत!

नेशनल पीजी कॉलेज का दूसरा कैंपस बनेगा सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने किया भूमि पूजन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के नेशनल पीजी कॉलेज का दूसरा परिसर जल्द ही सरोजनी नगर के चंद्रावल में बनकर तैयार हो जाएगा। इसके लिए मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी और नेशनल पीजी कॉलेज के प्रबंधक सांसद उज्जवल रमण सिंह ने चंद्रावल में भूमि पूजन कर दिया है। यह कॉलेज सरोजनी नगर तहसील के पास चंद्रावल स्थित 15 एकड़ जमीन पर तैयार किया जाएगा। शनिवार को आयोजित भूमि पूजन समारोह में सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कहा कि इस कॉलेज के बनने से आसपास के युवाओं को उनके नजदीक ही बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। उन्हें अच्छी शिक्षा के लिए ज्यादा दूर जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सांसद ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं का शिक्षित होना बेहद आवश्यक है। सरोजनी नगर, बिजनौर और बंथरा क्षेत्र के युवाओं को शिक्षित करने के उद्देश्य से ही यहां उत्कृष्ट कॉलेज की स्थापना की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान सांसद उज्जवल रमण सिंह ने कॉलेज की जमीन का खुद विधि-विधान से भूमि पूजन किया। इस अवसर पर मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के संयुक्त सचिव प्रताप सिंह, रत्नेश गुप्ता, गणेश चंद्र मिश्रा, पूर्व आईपीएस अजय शंकर राय, पूर्व प्रधान सर्वेश रावत उपस्थित थे। मनीष पाल, अनुज पाल, राजेंद्र पाल, नदीम अहमद व मोहम्मद अकरम के साथ अनेक ग्रामीण भी मौजूद रहे। चंद्रभान गुप्ता शिक्षा एवं मानव विकास केंद्र चंद्रावल की प्रधानाचार्या भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

उनवल में तिरंगा यात्रा का भव्य आयोजन, देशभक्ति के रंग में रंगी धरती

उनवल। "हर घर तिरंगा" अभियान के तहत रविवार को सहजनवा विधानसभा क्षेत्र देशभक्ति की उमंग से सराबोर हो उठा। सहजनवा विधानसभा के उनवल मंडल में नगर पंचायत कार्यालय से टेकवार चौराहे तक निकली बाइक रैलियों और भव्य तिरंगा यात्राओं ने पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया। विधायक प्रदीप शुक्ला के नेतृत्व में हजारों कार्यकर्ता, युवा, हाथों में लहराते तिरंगे लिए "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम" के गगनभेदी नारों के साथ कदमताल करते रहे। यात्रा में विधायक सबसे आगे तिरंगा थामे चलते हुए लोगों में जोश और गर्व की लहर जगाते नजर आए। पूरे मार्ग पर नागरिकों ने पुष्पवर्षा और जयघोष से यात्रा का स्वागत किया। लहराते तिरंगे, गूंजता राष्ट्रगान और बजते देशभक्ति गीतों ने वातावरण को भावनाओं से ओत-प्रोत कर दिया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप शुक्ला ने कहा तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, यह हमारे बलिदान, गौरव और एकता का अमर प्रतीक है। हर घर पर तिरंगा फहराना केवल परंपरा नहीं, बल्कि अपने राष्ट्र के प्रति सम्मान और कर्तव्य का सशक्त संदेश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर इस वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार ने हर घर तिरंगा का संकल्प लिया है। मैं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकताओं का हृदय से अभिनंदन करता हूं, जो इस अभियान के सहभागी बन रहे हैं। पार्टी के मार्गदर्शन में कार्यकर्ता पूरे उत्साह से तिरंगा यात्राएं निकाल रहे हैं, वहीं सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन भी इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत का सशक्त प्रतीक है ह्व विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत उनवल के चेयरमैन महेश कुमार दुबे ने कहा कि यह एक भारत श्रेष्ठ भारत का भी प्रतीक है। आज हम सब उनवल मण्डल की तिरंगा यात्रा में शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर एक बार फिर से आपके इस उत्साह के लिए हृदय से अभिनंदन करता हूं। पुरी यात्रा शानदार तरीके से सम्पन्न कराने के लिए सभी कार्यकताओं को शुभकामनाएं देता हूं। उम्मीद करता हूं कि 15 अगस्त तक उनवल मण्डल के सभी घरों पर तिरंगा होगा। पार्टी के दिशा निर्देश को बताते हुए मण्डल अध्यक्ष इन्द्र कुमार निगम ने बताया कि, हर घर तिरंगा अभियान आजादी का अमृत महोत्सव का हिस्सा है, जिसे देश भर के घरों में तिरंगा फहराने के लिए डिजाइन किया गया है। इस बार सभी कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं नागरिकों से अपने घरों में तिरंगा फहराने और झंडे के साथ एक सेल्फी क्लिक कर इसे harghartiranga.com पर अपलोड करने का आग्रह किया है। आज का कार्यक्रम मंडल अध्यक्ष इंद्र कुमार निगम के नेतृत्व में एवं कार्यक्रम संयोजक मण्डल महामंत्री योगेश वर्मा सतीश उपाध्याय एवं अमन कुमार सिंह संदीप उर्फ मृतुन्जय तिवारी के देख रेख में सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित हिंदू युवा वाहिनी के जिला संयोजक रामपाल सिंह, ब्लॉक प्रमुख पिपरौली दिलीप यादव, विजय तिवारी सुमित सिंह, प्रदीप सिंह, योगेंद्र साहनी,रमेश पासवान, दिवाकर राम त्रिपाठी, सतेन्द्र सिंह, अश्वनी सिंह, विजय कुमार मौर्य, मिथिलेश यादव, शिव कुमार शाह, सुनील निगम जय चन्द यादव, यशवंत साहनी,राजकुमार गुप्ता, हरिधर दुबे, मनोज दुबे,अनूप सिंह नागेन्द्र पाण्डेय, संजय विश्वकर्मा, जगरनाथ चौबे,अभिमन्यु तिवारी, राकेश तिवारी अंगद शर्मा, चंद्रभान गुप्ता, सत्यनारायण तिवारी, संदीप चौरसिया,विनय त्रिपाठी, लाल बाबू साहनी, अश्वनी जैकी त्रिपाठी, राहुल गुप्ता, शिवशंकर राजभर, अंकित जायसवाल, संजय कुमार, नागेंद्र जायसवाल, अजय जायसवाल, निरंजन पाण्डेय, रामप्रताप यादव, सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अगर बहनें नहीं होंगी तो राखी कौन बांधेगा : जुनैद अहमद अंसारी

उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय के सदस्य (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) जुनैद अहमद अंसारी ने भाई-बहनों को दी रक्षा बंधन की शुभकामनाएं

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति अल्पसंख्यक कल्याण मंत्रालय के सदस्य (दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री) जुनैद अहमद अंसारी ने भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के त्योहार रक्षाबंधन पर सभी देशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बहनों की रक्षा बहुत जरूरी है, अगर बहन सुरक्षित नहीं रहेंगी तो भाई की कलाई पर राखी आखिर बांधेगा कौन। अंसारी ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन काल में महिलाओं की सुरक्षा के लिए समूचे प्रदेश में लॉ एण्ड ऑर्डर का राज चल रहा है। कोई भी शख्स बहनों के साथ अत्याचार, हिंसा और नाइंसाफी नहीं कर सकता है। अंसारी ने कहा कि रक्षा बंधन के के एक दिन पहले से ही बहनों के लिए मुख्यमंत्री ने सरकारी रोडवेज बसों को फी कर दिया है। ताकि बहने आसानी से भाइयों को राखी बांधने के लिए अपना सफर तय कर सकें। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार हर साल भाई-बहन के बीच पवित्र रिश्ते को उत्सव के रूप में हम सभी के लिए सुखमय जीवन का संदेश लेकर आता है। उन्होंने कहा कि भाई-बहन के रिश्ते का अटूट व विश्वास स्थापित करने वाला रक्षाबंधन का त्योहार एक दूसरे की सुरक्षा का प्रतीक है। अंसारी ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को भाई-बहन के प्रेम को राखी का त्योहार कहा जाता है। इस दिन बहनें भाईयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और दीघार्यु के साथ सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। इस दिन भाई जीवन भर बहनों की रक्षा का वचन देते हैं। साथ ही जीवन पर्यंत एक दूसरे के सुख-दुख में साथ निभाने का वायदा भी करते हैं। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का त्योहार भावनात्मक जुड़ाव का दिन माना जाता है, रक्षा बंधन सिर्फ मिठाई खिलाने या फिर राखी बांधने के बारे में नहीं है, बल्कि यह एक रिश्तों में सुरक्षा का भाव, प्रेम और सम्मान का प्रतीक भी माना जाता है। उन्होंने कहा कि विविधताओं के देश भारत में रक्षाबंधन सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। हिन्दू बहनें अपने मुस्लिम भाइयों को राखी बांधती है, इसकी एवज में भाई बहनों को आशीर्वाद स्वरूप बहन को तोहफा देकर सम्मानित करते हैं। अंसारी ने कहा कि रक्षाबंधन हर जाति, धर्म और वर्ग के लोग अपने-अपने तरीके से मनाते हैं। जुनैद ने कहा कि रक्षा बंधन का त्योहार प्रेम, जिम्मेदारी और एकता का संदेश देता है। इस त्योहार को एक साथ मिलकर अपने रिश्तों में और मजबूती और मिठास प्रयत्न करना चाहिए।

गोरखपुर में यातायात पुलिस का सघन चेकिंग अभियान, 1057 वाहनों का चालान

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक यातायात संजय कुमार के नेतृत्व

में यातायात नियमों के पालन व सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए शहर में व्यापक चेकिंग अभियान चलाया गया। मोहद्दीपुर चौराहे पर चार पहिया वाहनों पर लगी काली फिल्म और बिना हेलमेट दोपहिया चलाने वालों के विरुद्ध अभियान में 21 चार पहिया व 108 दोपहिया चालकों का चालान एमवी एक्ट के तहत किया गया। एडीजी के आदेशानुसार लिंक एक्सप्रेस-वे पर स्पीड राडार गन से ओवर स्पीड वाहनों की चेकिंग भी की गई। पुलिस ने चेतावनी दी कि गति नियंत्रित न होने पर चालान की कार्रवाई तेजी से होगी। अभियान के दौरान शहर क्षेत्र में यातायात नियम तोड़ने वाले कुल 1057 वाहनों का चालान कर 45,500 जुर्माना वसूला गया। पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।

अपने को एसडीएम बताकर वसूला दहेज की रकम, फिर दूसरी शादी कर विवाहिता को घर से निकाला

गाजीपुर। शादी होने के बाद जब उसे पता चला उसका पति एसडीएम है तो उसके पैर जमीन पर नहीं पड रहे थे. लेकिन कुछ ही दिन बाद नौकरी का हवाला देकर कम दहेज लाने पर उसे प्रताड़ित भी किया जाने लगा. इसके बाद मायके वालों ने दहेज की पूर्ति भी किया लेकिन कुछ दिन बाद पता चला कि वह एसडीएम नहीं है बल्कि यूपीएससी की तैयारी कर रहा है. और इसी दौरान उसका किसी दूसरे लड़की से प्रेम प्रसंग भी चलने लगा और उसने पहली पत्नी को रहते हुए दूसरी भी शादी कर ली. जिससे उसके तीन बच्चे भी

हैं मामला जब महिला प्रकोष्ठ में पहुंचा तब उसने दूसरी शादी नहीं करने की पुष्टि की थी लेकिन वह अपनी पत्नी को अपने घर ले जाने को तैयार नहीं रहता था. जिसको लेकर अब पत्नी ने अपने पति सौतन सहित कुल 7 लोगों पर दहेज उत्पीड़न सहित कई मामलों में मुकदमा दर्ज कराया है. आजकल युवतियां सरकारी दूल्हे से शादी करने की हसरत पाले होती हैं कुछ को सरकारी दूल्हा मिल जाता है तो कुछ ऐसी भी हैं जो सरकारी दूल्हे के झांसे में भी आ जाती हैं और फिर उनकी जिंदगी नरक बन जाती है. ऐसा ही मामला शादियाबाद थाना क्षेत्र से निकल कर आया है जहां की एक विवाहिता की शादी 1996 में बहरियाबाद थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव के रहने वाले कुंदन से हुई थी. और जब वह शादी के बाद अपने ससुराल पहुंची तब उसे पता चला कि उसका पति पीसीएस की परीक्षा पास कर एसडीएम बन चुका है. और उसके बाद तो उसके खुशी का ठिकाना नहीं रहा लेकिन यह खुशी कुछ ही दिन रही क्योंकि उसके बाद से ही परिवार के लोगों ने एसडीएम के रुतबे के अनुसार दहेज नहीं मिलने पर मानसिक प्रताड़ना देना शुरू कर दिया, और उसके बाद विवाहिता के पिता ने भी बेटी के भविष्य को देखते हुए दहेज की मांग को पूरा किया. लेकिन कुछ दिनों के बाद पता चला कि उसका पति एसडीएम नहीं है बल्कि यूपीएससी के तैयारी कर रहा है. इसके बाद पति ने भी कहा की कुछ नंबरों से उसका रुक गया था लेकिन वह तैयारी कर रहा है और अगले बार में वह जरूर बनेगा। जिसको लेकर वह भी तैयारी करने में जुड़ गई जिसके तहत हुआ मायके और ससुराल दोनों जगह रहा करती थी इसी दौरान उसका पति का एक दूसरी औरत से प्रेम प्रसंग हो गया और उससे वह शादी भी कर लिया जिसको वह छिपाया करता था. जिसकी जानकारी के बाद विवाहिता ने महिला प्रकोष्ठ में इसकी शिकायत किया शिकायत की नोटिस पर पति भी महिला प्रकोष्ठ में पहुंचा और दूसरी शादी नहीं करने की भी पुष्टि किया और अपनी पत्नी मानते हुए घर ले जाने की सहमति जताई. लेकिन उसे ससुराल नहीं ले गया और कई तरह के कारण बताते रहा इसी दौरान पता चला कि उसके पति की दूसरी पत्नी के तीन बच्चे भी हैं. इसके बाद जब वह अपने पति के घर गई तब उसे मारपीट कर घर से बाहर कर दिया गया और वह अपने पिता के घर चली आई. इसके बाद उसने बहरियाबाद पुलिस को भी शिकायत किया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुआ. इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक गाजीपुर को प्रार्थना पत्र दिया जिस पर शादियाबाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पति कुंदन दूसरी पत्नी छाया के साथ ही सास ससुर सहित कुल 7 लोगों पर भारतीय न्याय संहीता की बीएनएस की धारा 85, 115(2), दहेज प्रतिषेध अधिनियम 3 और 4 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

साधु वेशधारी युवक का गंगा में छलांग लगाते वीडियो वायरल, गिरफ्तार

गाजीपुर। हमीद सेतु से गंगा में छलांग लगाते एक साधु वेशधारी युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। वीडियो में युवक पुल की रेलिंग फांदकर नदी में छलांग लगाते दिखाई दे रहा है। वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पकड़े गए युवक की पहचान मुहम्मदाबाद निवासी सुरेश यादव के रूप में हुई है, जो खुद को "आईपीएल बाबा" बताता है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस हिरासत में उसने लोगों से ऐसे खतरनाक स्टंट न करने की अपील की। पुलिस ने उसका चालान कर दिया है।

इंडिया गठबंधन ने मनाई छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती, मरीजों व गरीबों में बांटे फल

प्रयागराज/शंकरगढ़। इंडिया गठबंधन के अंतर्गत समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकताओं ने संयुक्त रूप से छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती धूमधाम से मनाई। सपा पूर्व जिला सचिव अरविंद मिश्रा "गुड्डा" के नेतृत्व में सपा नगर अध्यक्ष संजय सिंह तोमर के पार्टी कार्यालय, सेन नगर चौराहे पर जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद शंकरगढ़ ब्लॉक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल वितरित किए गए। इसी क्रम में ग्राम सभा शिवराजपुर, क्षेत्र संख्या 05 में भी गरीबों को फल वितरण किया गया। कार्यक्रम में सपा पूर्व जिला सचिव अरविंद मिश्रा "गुड्डा", कांग्रेस जिला महासचिव कामद प्रताप सिंह, ब्लॉक उपाध्यक्ष कांग्रेस अनिल मिश्रा, कांग्रेस जिला सचिव नवनीत मिश्रा, सपा नेता बबलू मिश्रा, पूर्व प्रमुख शंकरगढ़ एवं कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष गुलाब कली, कांग्रेस जिला सचिव शिवनारायण सिंह पटेल, सपा नेता पंचेश्वर त्रिपाठी, अजय सिंह पटेल, नगर अध्यक्ष सपा संजय सिंह तोमर, पूर्व सभासद प्रतिनिधि सुशील पांडेय, सपा नेता मुलायम सिंह यादव, बसंत लाल केसरवानी, आर.एस. यादव, नेत्री गुलाब कली, कांग्रेस सोशल मीडिया सेल प्रभारी यमुनापार, ब्लॉक सचिव शंकरगढ़, ब्लॉक कांग्रेस मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोरखपुर में अतिक्रमण व नो पार्किंग पर पुलिस की सख्ती, 1041 वाहनों का चालान

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गोरखपुर के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक यातायात संजय कुमार के नेतृत्व में यातायात व्यवस्था सुधारने और सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात पुलिस, नगर निगम प्रवर्तन दल और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाया। रुस्तमपुर चौराहा से आजाद चौक तक चले अभियान में सड़क किनारे ठेला-खोमचा द्वारा किए गए अतिक्रमण और नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर कार्रवाई की गई। नगर निगम दल ने अवैध ठेला-खोमचा जब्त किए और 11 दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान के दौरान 89 चारपहिया और 193 दोपहिया वाहनों का चालान किया गया, जबकि 12 वाहनों को क्रेन से टो कर यातायात यार्ड भेजा गया। शहर भर में प्रवर्तन कार्रवाई के तहत यातायात नियम तोड़ने वाले 1041 वाहनों पर चालान कर 43,500 जुर्माना वसूला गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

Workshop Marks Five Years of NEP: Gorakhpur University Signs MoUs with Four Universities

Gorakhpur, Under the joint aegis of Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University and Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP), a one-day national workshop on "National Education Policy 2020: Resolutions, Efforts, and Challenges" was held at Shri Gorakhnath Research Centre. Vice-Chancellors from eight universities and Directors from two research institutions participated.

Discussions in four sessions focused on the effective implementation of the NEP. Before the valedictory session, Gorakhpur University and four other universities signed an MoU on various academic issues.

ABVP National President Prof. Rajsharan Shahi said Mahant Digvijaynath's 32-page note of dissent on the draft education policy became the foundation of the current NEP. Vice-Chancellor Prof. Poonam Tandon noted that Uttar Pradesh was the first state to adopt NEP in 2020 and Gorakhpur University will continue to play a leading role in its implementation.

Students Submit Memorandum to Vice-Chancellor over Fee Hike at Gorakhpur University

Gorakhpur – Protesting against the fee hike for the 2025–26 session, students of Gorakhpur University, led by NSUI State General Secretary Aditya Shukla, submitted a memorandum to the Vice-Chancellor.

Aditya Shukla alleged that fees for several undergraduate and postgraduate courses have been increased excessively, affecting poor and middle-class students. "A large number of students from economically weaker and middle-class backgrounds study at the university. Such fee hikes are unjust," he said.

The Vice-Chancellor assured that the matter would be reviewed in a meeting soon, keeping students' interests in mind.

The delegation also demanded the establishment of a laboratory for journalism students, to which the Vice-Chancellor responded that the lab would be set up within three months.

Students present included Shivam Tripathi, Adarsh Pandey, Brijesh Dubey, Vinod Pandey, Divyansh Tripathi, Rajveer Singh, Rishabh Singh, Prashant Pandey, and Kuldeep Kumar, among others.

Satyendra Bari Meets Family of Deceased Bablu Kashyap in Chandauli

Chandauli | Satyendra Bari, Member of the State Backward Classes Commission, visited the residence of Bablu Kashyap from the Gond community after receiving news of his death. He offered condolences to the bereaved wife and assured all possible support during this difficult time.

On the spot, Bari spoke with concerned officials and issued necessary instructions to ensure the widow pension and financial assistance for the family.

Khairul Bashar Celebrates 51st Birthday with Grandeur Across District

Gorakhpur – Senior councillor and social worker Khairul Bashar's 51st birthday was celebrated with great enthusiasm under the banner of All India Urs Committee at the Indian Guest House, Buxipur. Chief Guest Junaid Ahmad Ansari, Minister of State (UP State Haj Committee), cut the cake amid well-wishers, praying for Bashar's long life.

The day began with Quran recitations by madrasa students, followed by tree plantation led by Committee President Muhammad Raza Laddan Khan. Guests, including former SP city president Haji Tahawwar Hussain and senior journalist Murtaza Hussain Rahmani, hailed Bashar as a source of inspiration and a champion of education, helping youth prepare for IAS/PCS exams.

The celebration, observed as "Noor-e-Bashar Week" across multiple districts, saw cake-cutting ceremonies, sweet distribution, and widespread participation from supporters.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।